

भैरवराज

बनाम

सुन्दरी देवी

दावा

मु. नं.

१८५

वर्ष

१९०६

आज्ञा-पत्र

- 12-19
प्रावली पैरा / वकील / उपस्थित
उपस्थित अधिकारी पुनः / अन्य कार्य में व्यस्त है।
प्रावली पैरा जयपुर सिपाक
दि. १४-१-१९
- 13-19
प्रावली पैरा / वकील / उपस्थित
उपस्थित अधिकारी पुनः / अन्य कार्य में व्यस्त है।
प्रावली पैरा जयपुर सिपाक
दि. १७-५-१९
- 14-19
प्रावली पैरा / वकील / उपस्थित
उपस्थित अधिकारी पुनः / अन्य कार्य में व्यस्त है।
प्रावली पैरा जयपुर सिपाक
दि. २१-८-१९

प्रावली पैरा इन्हीं वकील प्रसकार उपस्थित
प्रावली बायते जवाब हेतु सिनाका २५-९-१९ का
पैरा है।

उपस्थित अधिकारी - सिकर

- 15-19
प्रावली पैरा / वकील / उपस्थित
उपस्थित अधिकारी पुनः / अन्य कार्य में व्यस्त है।
प्रावली पैरा जयपुर सिपाक
दि. २६-१२-१९

प्रावली पैरा इन्हीं वकील उभय पक्ष अनुपस्थित
वकील उभय पक्षों की आवज लगायी गयी है।
वकील वादी तथा वकील प्रतिवादी तथा वादी तथा
तथा प्रतिवादी का बार-बार न्यायालय आये तथा
आवज लगायी गयी है। उभय पक्षों में व उनका
वकील उपस्थित नहीं है। अतः वादी का न्याय
स्वाधीनता सहा-३ का काउण्टर वाद अदालत
हाजरी अदालत में रखा जायता है।
प्रावली पैरा इन्हीं वकील प्रसकार उपस्थित
है। वकील तथा वकील दावली दफतर (कथा
जाय)।

उपस्थित अधिकारी - सिकर